Seat No. : _____

TB-104

April-2013

B.A. (Sem. IV)

Hindi (EC-I-212)

(Nibandh Aur Anya Gadya Vidhayen)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

१. (अ) 'लोभ और प्रीति' निबंध के आधार पर लोभ और प्रीति में अंतर बतलाइए । ७

अथवा

'साहित्य और जीवन' निबंध का विचार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ब) देवदारू 'देवता का काठ' क्यों कहलाया ? ७

अथवा

'जमुना के तीरे-तीरे' ललित निबंध का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए ।

(क) धरतीपुत्र-ठकुरी बाबा का चरित्र-चित्रण कीजिए । ७

अथवा

शिवपूजन सहाय के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बतलाइए ।

(ड) 'तुम कब जाओगे, अतिथि' में व्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए । ७

अथवा

'श्रीमान का स्वागत' रचना का कथ्य समझाइए ।

२. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(अ) कल्पवास का महत्त्व ४

अथवा

बाबू शिवपूजन सहाय का निराला के प्रति प्रेम

(ब) लोर्ड कर्जन ४

अथवा

आतिथ्य का चौथा दिन

३. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(अ) विश्वामित्र को वसिष्ठ की गाय बहुत पसंद आई और वे उसके बदले में बहुत सी गायें देने के लिए तैयार हो गये पर वसिष्ठ ने अपनी गाय नहीं दी । इसके लिए लड़ भिड़कर भी न वसिष्ठ लोभी कहलाए, न विश्वामित्र । ४

अथवा

साहित्य और जीवन में घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित होने पर भी दोनों में अंतर रहेगा ही । जीवन में तो एक धारा प्रवाह है, साहित्य में उसकी प्राणदायिनी और स्मरणीय बूँदें एकत्र की जाती हैं । जीवन के अनन्त आकाश में साहित्य के विविध नक्षत्र आलोक रहते हैं ।

(ब) मन की सारी भ्रान्ति को दूर करनेवाले देवदारू, तुम्हें देखकर मन श्रद्धा से भर जाता है, वह अकारण नहीं है । तुम भूत-भगावन हो, तुम वहम-मिटावन हो, तुम भ्रांति-नसावन हो । तुम्हें दीर्घकाल से जानता था, पर पहचानता नहीं था । अब पहचान भी रहा हूँ । तुम देवता के दुलारे हो, महादेव के प्यारे हो, तुम धन्य हो ! ४

अथवा

अपनी कर्मगा यमुना में ही देखता हूँ, जो बचा-बचा के अपनी नाव आगे की ओर निकालना चाहता है, वह पीछे रह जाता है और जो दूसरों को ढकेलते छकियाते हुए किसी नाव के डूबने आदि की परवाह न करते हुए अपनी बिजली डेंगी चीरता चला जाता है, वही नौका-दौड़ में विजय-पदक प्राप्त कर रहा है ।

४. **एक** या **दो** वाक्यों में उत्तर दीजिए : १२

(i) दिल्ली दरबार में किन बातों की कसर रह गयी थी ?

(ii) रामविलास शर्मा शिवपूजन सहाय से किसका संस्मरण लिखवाना चाहते थे ?

(iii) जमुना को कलिमल हरनी क्यों कहा है ?

(iv) अतिथि का धोबी को कपड़े देना यजमान को क्यों असह्य लगा ?

(v) ठकुरी बाबा के साथ कल्पवास में कौन-कौन आये थे ?

(vi) लोभ किसे कहते हैं ?

५. (अ) **एक** वाक्य में उत्तर दीजिए : ५

(i) 'लोभ और प्रीति' निबंध किस निबंध संग्रह से लिया गया है ?

(ii) यमुना और यमराज में कौन सा नाता है ?

(iii) भक्तिन नाम लेखिका ने क्यों रखा ?

(iv) 'यह मनुष्य अपनी वाली पर उतरे, उसके पूर्व तुम लौट जाओ !' वाक्य किस रचना से लिया गया है ।

(v) शिवपूजन सहाय को पत्र लिखते हुए पते पर 'हिन्दी-भूषण' कौन लिखा करते थे ?

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : ५

(i) _____ प्रेम का प्रवर्त्तक है ।

(ii) शास्त्रार्थ में कोई हारता नहीं, _____ जाता है ।

(iii) शिवपूजन सहाय _____ कॉलेज के अध्यापक थे ।

(iv) लोर्ड कर्जन तो _____ के रत्न हैं ।

(v) व्यक्ति के प्रति जो ललक होती है उसे _____ कहते हैं ।

(क) सही जोड़े मिलाइए : ४

अ		ब	
१.	तुम कब जाओगे, अतिथि	१.	रामचन्द्र शुक्ल
२.	श्रीमान का स्वागत	२.	विद्यानिवास मिश्र
३.	जमुना के तीरे-तीरे	३.	शरद जोशी
४.	लोभ और प्रीति	४.	बालमुकुन्द गुप्त